

# डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, सत्र 5, स्टैंड लें, कुलुस्सियों 3

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को और जेल पत्रों पर उनकी व्याख्यान श्रृंखला है। यह सत्र 5 है। एक स्टैंड लें, कुलुस्सियों 3।

जेल पत्रों पर बाइबिल अध्ययन व्याख्यान में आपका स्वागत है। अब तक, हमने कुलुस्सियों नामक इस महान पत्र के बारे में कुछ बातें कवर की हैं, और अब हम अध्याय दो पर चर्चा जारी रख रहे हैं। चर्चा के इस भाग में, हम इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि चर्च को उन नींवों को कैसे अपनाना चाहिए जो उन्हें पता है कि कैसे खड़े रहना है और मसीह में निहित होना है और इसे जीना है।

और हम आयत 16 से 19 तक देखते हैं, जो इस सत्र की शुरुआत होगी, इस प्रकार। इसलिए, खाने-पीने या किसी पर्व या नए चाँद या सब्त के मामले में कोई भी आप पर फैसला न सुनाए। ये आने वाली चीज़ों की छाया हैं, लेकिन असलियत मसीह की है।

कोई भी आपको अयोग्य न ठहराए, तपस्या और स्वर्गदूतों की पूजा पर जोर देते हुए, दर्शन के बारे में विस्तार से बताते हुए, बिना किसी कारण के अपने कामुक मन से प्रेरित होकर और उस सिर को मजबूती से पकड़े हुए जिससे पूरा शरीर पोषित होता है और अपने जोड़ों और स्नायुबंधन के माध्यम से एक साथ जुड़ता है, जो ईश्वर से होता है। यहाँ हम जो पाते हैं वह दिलचस्प है। पॉल ने दो कथनों को स्थापित किया है, और उसने उन्हें मसीह की केंद्रीयता के बारे में याद दिलाया है और कैसे मसीह को प्राप्त करना एक ऐसा जीवन होना चाहिए जो उसमें निहित, स्थापित और स्थापित हो।

तो अब वह इस बात पर आते हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए और यही यहाँ पद 16 से 19 तक के संदेश का सार है। यही है कि क्या नहीं करना चाहिए। अपने आप को न्याय का पात्र न बनने दें।

पद 16. आपके पास खुद को आंकने की अनुमति न देने की क्षमता है। कहने का तात्पर्य यह है कि, आपके पास उन लोगों पर नियंत्रण नहीं है जो आपको आंकना चाहते हैं, लेकिन आपके पास उनके मूल्यांकन, शब्दों या आपके चरित्र चित्रण को स्वीकार न करने की क्षमता है।

दूसरा, किसी को भी आपको अयोग्य न ठहराने दें जैसे कि आप किसी दौड़ में भाग ले रहे हैं या आप अपने सपनों के संस्थान में अध्ययन करने जा रहे हैं, और आपने हमेशा सोचा था कि आप इसका हिस्सा हैं और आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति है जो आपको यह कहने की कोशिश कर रहा है कि नहीं, आप यहाँ के नहीं हैं। पॉल कहते हैं कि आपके पास किसी को भी आपको अयोग्य न ठहराने की क्षमता है। व्यक्तिगत जिम्मेदारी।

इन आयतों में, बस देखिए कि यह पैटर्न कैसे काम करता है। आयत 16 और 18 तक यह देखना बहुत ही दिलचस्प है कि इन बातों को वास्तव में कैसे प्रस्तुत और तैयार किया गया है। सबसे पहले, आप एक चेतावनी देखते हैं, और आप आयत 18a में एक समानांतर चेतावनी देखते हैं।

और फिर, आप मुख्य मुद्दे को देखते हैं जिसे 16बी में संबोधित किया गया है। आप इसके समानांतर, मुख्य मुद्दे 18बी को देखते हैं। और फिर आप देखते हैं कि कैसे पॉल 17 में चल रही बातों का आकलन करता है, और फिर आप 19 में समानांतर आकलन देखते हैं।

इसलिए, अगर हम इसे इस तरह से पढ़ें, तो यह इस तरह होगा। कोई भी तुम पर निर्णय न करे - श्लोक 16अ।

18a. कोई भी तुम्हें अयोग्य न ठहराए। यहाँ मुख्य मुद्दा क्या है? आयत 16 से।

खाने-पीने का सवाल, त्योहारों और नए चाँद और रोशनी के बारे में। इस मामले में किसी को भी आप पर फैसला न सुनाने दें। श्लोक 18 से मुख्य मुद्दा क्या है? वे लोग जो तपस्या और स्वर्गदूतों की पूजा पर जोर देते हैं और दर्शन के बारे में विस्तार से बताते हैं, जो बिना किसी कारण के घमंडी हैं।

और कामुक मन से, उन्हें तुम्हें अयोग्य मत ठहराने दो। मूल्यांकन। श्लोक 16 से।

17 में यही आकलन दिया गया है। ये आनेवाली बातों की छाया मात्र हैं। लेकिन असलियत किसकी है? मसीह की।

पद 19 से मूल्यांकन। उस सिर को मजबूती से न पकड़ना जिससे पूरा शरीर पोषित होता है और प्रत्येक जोड़ और स्नायुबंधन के माध्यम से एक साथ जुड़ा हुआ है, वह ईश्वर की ओर से होने वाली वृद्धि के साथ बढ़ता है। यहाँ जो हो रहा है वह यह है कि जो लोग आपको अयोग्य ठहराने की संभावना रखते हैं, वे उस चीज़ को मजबूती से नहीं पकड़ते जो महत्वपूर्ण है।

उन्हें नज़रअंदाज़ करें। फिर पौलुस इस विषय पर विस्तार से चर्चा करेगा। तो, आइए आयत 16 से 23 तक आगे देखें।

यह प्रवचन कैसे आगे बढ़ता है। खैर, श्लोक 16. वह स्पष्टता से उनके शिक्षकों की झूठी शिक्षा के चरित्र को इंगित करना शुरू करता है।

वे वास्तव में आहार नियमों और यहूदी छुट्टियों के बारे में बात करना पसंद करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वे तपस्वी अनुशासन पर जोर देते हैं। और वे भोजन में बहुत रुचि रखते हैं।

खाना किसे पसंद नहीं है? लेकिन ऐसा लगता है कि वे खाने की सीमाओं को हमारे लिए बहुत आगे ले जाते हैं। और इसलिए, वे खाने के बारे में भी बात करते हैं। और वे अपनी कुछ चर्चाओं को स्वर्गदूतों पर केंद्रित करते हैं।

वे दर्शन और सपनों के बारे में बात करने में बहुत समय बिताते हैं। ओह, मुझे नहीं पता कि आप इनमें से कुछ आध्यात्मिक चर्चों में गए हैं या नहीं। आप उनमें से कुछ सुनते हैं।

सावधान रहें। मैं यह नहीं कह रहा कि वे झूठे शिक्षक हैं। लेकिन जब आप इन चिह्नों को देखें तो सावधान रहें क्योंकि यही वह बात है जो पौलुस कह रहा है कि कुलुस्से की कलीसिया में हो रही थी।

अहंकार इसके साथ आता है। आजकल, फिर भी, अगर आपको लगता है कि यह एक नई बात है, तो सूरज के नीचे कुछ भी नया नहीं है।

जो लोग ऐसा कर रहे थे, वे आकर मान लेंगे कि वे उन लोगों से बेहतर ईसाई हैं जो ऐसा नहीं करते। इसलिए, वे अहंकार में फूले हुए थे। मैं इसे अहंकार में अज्ञानता कहना पसंद करता हूँ।

उनका सिर से कोई संबंध नहीं है। श्लोक 19. यह स्पष्ट होना चाहिए।

उनका मसीह से कोई संबंध नहीं है। वह मसीह जिसके बारे में हम उच्च क्राइस्टोलॉजी में पढ़ते हैं। वह मसीह जिसके द्वारा हमारा मेल-मिलाप हुआ है।

और जो हमें मिला है। उनका उससे कोई संबंध नहीं है। असल में, वे सांसारिक नियमों को बढ़ावा देते दिखते हैं।

पौलुस पद 20 से 23 तक इस प्रकार के व्यवहार की बहुत कड़ी आलोचना करेगा। आइये एक परीक्षा पर गौर करें, क्योंकि आप मसीह के साथ मूल आत्माओं के लिए मर चुके हैं।

इस दुनिया की मौलिक आध्यात्मिक शक्तियाँ। क्यों? क्यों मानो कि तुम अभी भी दुनिया के हो, तुम इसके शासन के अधीन क्यों हो? दूसरे शब्दों में, चूँकि तुम मसीह के साथ मर गए हो, तुम ऐसा क्यों व्यवहार करते हो जैसे कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता? तुम खुद को इन धोखेबाजों और झूठे शिक्षकों के हुक्म और प्रभाव के अधीन क्यों कर रहे हो? वे आते हैं और कहते हैं, छूना मत। चखना मत।

छूना मत। ये नियम, जो उन चीज़ों से संबंधित हैं जो उपयोग के साथ नष्ट हो जाने वाली हैं, केवल मानवीय आदेशों और शिक्षाओं पर आधारित हैं। रुकें।

क्या आपको याद है जब उन्होंने कहा था, जैसे तुमने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है, वैसे ही उसमें चलते रहो, जड़ पकड़ो, स्थापित हो जाओ और उसे स्थापित करो? और फिर वह आगे कहते हैं, जैसा कि तुम्हें सिखाया गया था। क्या आपको वह पंक्ति याद है? अब, उन्होंने कहा, आपको यहाँ इन लोगों से सावधान रहना होगा।

वे केवल मानवीय आदेशों और शिक्षाओं के साथ आते हैं। आपको इस तरह से नहीं सिखाया गया था। किसी अलग तरह की शिक्षा के आगे न झुकें।

ऐसे नियम वाकई बुद्धिमानी भरे लगते हैं। बाहर से देखने पर ये बहुत ही स्मार्ट लगते हैं। अपनी खुद की पूजा, अपनी झूठी विनम्रता और शरीर के प्रति अपने कठोर व्यवहार के कारण।

लेकिन यौन भोग को रोकने में उनका कोई महत्व नहीं है। इसलिए, अध्याय दो के अंत को देखते हुए, मैं आपको सोचने के सवाल के साथ छोड़ता हूँ, क्यों? क्यों, जैसे कि आप अभी भी दुनिया से संबंधित हैं, आप नियमों के अधीन हैं? म्यू ने इस सवाल का जवाब दिया है या इसे बहुत अच्छी तरह से संबोधित किया है। पॉल का कहना है कि विश्वासी अब दुनिया को अपना सच्चा घर या वह स्थान नहीं मानते जो यह तय करता है कि वे कौन हैं या उन्हें कैसे जीना है।

मसीह के साथ मरने से हम इस दुनिया के तत्वों से मुक्त हो गए हैं। और इसलिए अब हम उस दुनिया के नहीं हैं जिस पर वे शासन करते हैं। तो फिर इस दुनिया के नियमों के अधीन रहना कितनी मूर्खता है।

हम क्यों सोचते हैं कि हमें मसीह के अलावा किसी और चीज़ की ज़रूरत होगी? वास्तव में, हमें मसीह के अलावा किसी और चीज़ की ज़रूरत नहीं है। इसी मंच से पॉल आगे बढ़कर कहने जा रहा है, अब आइए हम स्पष्ट भाषा में बात करें। मैंने तुमसे कहा था कि अपने आप को न्याय का पात्र न बनने दो।

और मैंने तुमसे कहा था कि तुम खुद को अयोग्य मत बनने दो। लेकिन और भी बहुत सी बातें हैं जो मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ। और अब, हम उस चीज़ से आगे बढ़ रहे हैं जिसे हम विद्वत्ता में कभी-कभी संकेतात्मक कहते हैं, अनिवार्य की ओर।

हम वास्तव में आपको एक व्यापक धार्मिक ढाँचा देने से आगे बढ़कर वास्तविक नैतिक चीज़ों की ओर बढ़ रहे हैं, जिनके अनुसार आपको अपना जीवन जीना चाहिए, जिसके लिए आपकी ओर से व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी की आवश्यकता होती है। आपको सिखाने के लिए किसी तरह के शिक्षक की आवश्यकता नहीं है। ओह, आपको यह करने की ज़रूरत है। अब, आपसे जो अपेक्षित है, वह करें, मूर्त चीज़ें।

तो, चलिए अध्याय तीन को देखना शुरू करते हैं। और मैं जल्दी से अध्याय तीन पर आता हूँ। तो, अध्याय तीन को देखते हुए, अध्याय तीन पर पहुँचने से पहले, मैं आपको यह बताना चाहूँगा कि यह चर्चा कैसे आगे बढ़ेगी और अध्याय तीन को समझने की कोशिश में हम किन चार बुनियादी रूपरेखाओं का पालन करेंगे।

एक तो यह कि हमें भारी मानसिकता विकसित करनी चाहिए। दूसरा यह कि हमें पुरानी मानसिकता को खत्म करना चाहिए और उसे उतार फेंकना चाहिए। ये बहुत ही भड़काऊ शब्द हैं।

मैंने ग्रीक भाषा का शाब्दिक अनुवाद करने की कोशिश की है ताकि आप इसकी ताकत को समझ सकें। मौत की सज़ा देने के बजाय, मैं चाहता हूँ कि आप ग्रीक भाषा में इसकी छवि को किस तरह से व्यक्त किया गया है, इसकी बारीकियों को समझें। यह वाकई बहुत बुरी बात है जिसे तुरंत खत्म किया जाना चाहिए।

यह नहीं है, आप जानते हैं, चलो तय करते हैं कि हम इस चीज़ को कैसे मारें? मरने से पहले हम इसे दो हफ़्ते तक कैसे बीमार रखें? नहीं, यह बुरा है, इसे मार दो। यह पुराने को उतारने का आह्वान भी है, जैकेट पहनने के कपड़ों के रूपक का उपयोग करते हुए और वास्तव में यह कहते हुए कि इसे उतार दो क्योंकि लोग तुम्हें इसी तरह देखते हैं।

और आपने यह पुराना खुरदुरा कपड़ा पहना हुआ है जो वास्तव में अच्छा नहीं लग रहा है। इसे उतार दें। तो यह दूसरा भाग होगा जिसे हम पाँचवीं से 11वीं आयत तक देखेंगे।

जैसे-जैसे हम अगले व्याख्यान में आगे बढ़ेंगे, हम नए व्यक्तित्व को धारण करने के आह्वान पर विचार करेंगे। फिर से, ध्यान दें कि यह हम क्या करते हैं। यह नहीं कि परमेश्वर इस बार आपके लिए क्या करेगा।

मसीह ने जो किया है, उसके आधार पर आपको यही करना चाहिए। अंत में, अध्याय तीन से लेकर अध्याय चार की पहली आयत तक, मुझे लगता है कि यह सब एक साथ लंबा होना चाहिए। हम विश्वासियों के घराने में मसीह के प्रभुत्व को देखेंगे।

अध्याय तीन को पढ़ने से पहले, मैं आपका ध्यान कुछ प्रमुख विरोधाभासों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जिन्हें आपको परीक्षण पढ़ते समय ध्यान में रखना चाहिए। आप शुरू से ही देखेंगे कि स्वर्गीय मानसिकता और सांसारिक मानसिकता के बीच एक तीव्र अंतर है। इसलिए, पौलुस वास्तव में कुलुस्से के मसीहियों या विश्वासियों को स्वर्गीय मानसिकता विकसित करने और सांसारिक मानसिकता से जीने के लिए चुनौती देने जा रहा है।

इस अर्थ में जो सांसारिक है, वह शारीरिक है। जो अधर्मी है, जो ईसाई नहीं है। जो स्वर्गीय है, वह ईसाई बुलाहट से मेल खाता है।

यह वह है जो मसीह का है। यह मसीह के योग्य और प्रसन्न करने वाला जीवन है। पौलुस अभी भी एक बहुत ही विशिष्ट प्राचीन यूनानी बयानबाजी का उपयोग करेगा जो एक मजबूत बयान देने के लिए विपरीत पैटर्न की मांग करता है और एक और मजबूत विपरीत पैटर्न का उपयोग करता है, और वह वास्तव में मौत की सजा देने के लिए कहता है।

और फिर वह आपको जीवित करने के लिए अनुबंध करेगा। निश्चित रूप से, आप कंकालों के साथ घूमना नहीं चाहेंगे। और जो चीजें मृत स्तंभ से संबंधित हैं, उन्हें मृत स्तंभ में ही रहना होगा।

लेकिन जीवित बनाने के लिए। पॉल इस अंश के अध्याय तीन में एक और दिलचस्प विरोधाभास बताने जा रहा है। मैंने आपको पुराने को उतारने और पहनने के लिए कपड़े के रूपक का उपयोग करने के लिए कहा था।

नया। अब, आइए रूपरेखा के पहले भाग को देखना शुरू करें। मैं इन सभी विपरीत पैटर्न को पृष्ठभूमि में रख रहा हूँ।

और आइए हम यह देखना शुरू करें कि यह चर्चा पद तीन से कैसे विकसित होती है। यदि तुम मसीह के साथ जी उठे हो, तो उन चीज़ों की खोज करो जो ऊपर हैं, जहाँ मसीह परमेश्वर के दाहिने हाथ बैठा है।

अपना मन स्वर्गीय वस्तुओं पर लगाओ, न कि पृथ्वी पर की वस्तुओं पर। क्योंकि तुम मर चुके हो और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।

जब मसीह, जो आपका जीवन है, प्रकट होगा, तब आप भी उसके साथ महिमा में प्रकट होंगे। अपना मन ऊपर की चीज़ों पर लगाएँ। और ऊपर की चीज़ों पर अपना मन लगाने से आप इस बार मसीह के साथ नहीं, मसीह से जुड़े नहीं, मसीह के पीछे नहीं, बल्कि मसीह में रहते हैं।

और पौलुस बहुत ही रोचक कल्पनाओं का चित्रण करना शुरू करेगा। मसीह की मृत्यु पर विजय में उसके साथ पहचान करके, कोई भी व्यक्ति अब ऊपर की चीज़ों पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकता है। क्योंकि यहीं पर सही चीज़ें हैं जिनके लिए जीना सार्थक है।

यहीं सच्ची उम्मीद है। अगर आपको याद हो, तो अध्याय एक में मैंने आपको आशा शब्द को रेखांकित करने या ध्यान से देखने की याद दिलाई थी। और यह कैसे कई बार, शायद तीन बार, अकेले अध्याय एक में ही आता है।

स्वर्गीय क्षेत्र वह स्थान है जहाँ मसीह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है। चलिए यहाँ रुकते हैं। इस कोर्स को करने वाले पश्चिमी छात्रों के लिए, यह आपको अजीब लग सकता है।

दाहिने हाथ पर बैठने का क्या मतलब है? मैं कुछ एशियाई देशों या लैटिन अमेरिकी देशों के बारे में ज़्यादा नहीं जानता। लेकिन निश्चित रूप से, हममें से जो लोग अफ्रीकी ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े हैं, वे जानते होंगे कि जब शहर के मुखिया एक साथ आते हैं, तो सर्वोच्च मुखिया बीच में बैठता है। सर्वोच्च मुखिया के अधीन रहने वाला व्यक्ति दाहिने हाथ से अधिकार की स्थिति में बैठता है।

और फिर दूसरे भी आते हैं। आप यह भी जानते होंगे, जैसा कि आप जिन संस्कृतियों से परिचित हैं, उनमें हो सकता है कि बायाँ हाथ वह हाथ न हो जो साफ हो, वह हाथ जिसका इस्तेमाल किसी अच्छे काम के लिए किया जाता हो। यह अवधारणा से बहुत दूर नहीं है, एक यहूदी अवधारणा, और एक ग्रीक अवधारणा जो अधिकार के दाहिने हाथ को संदर्भित करती है, अधिकार वाले व्यक्ति के लिए प्राथमिकता का दाहिना हाथ।

वैसे, मसीह स्वर्गीय क्षेत्र में बैठा है, बायीं ओर नहीं। वह दाहिनी ओर बैठा है, परमेश्वर के दाहिनी ओर। वह किसकी ओर से अधिकार के स्थान पर बैठा है? आपकी ओर से।

इसलिए, मसीह में विश्वासियों के रूप में, उनके जीवन अब मसीह और परमेश्वर में छिपे हुए हैं। तीसरी आयत को फिर से देखें; यह एक बहुत ही रोचक अभिव्यक्ति है ताकि हम इसे अवधारणा बना सकें। अगर आप चाहें तो इसे नारियल की गतिशीलता कह सकते हैं।

क्योंकि तुम मर चुके हो, और तुम्हारा जीवन मसीह में, परमेश्वर में छिपा हुआ है। तो, छवि इस तरह होगी। तुम मर चुके हो, और यह परमेश्वर है, और वास्तव में, तुम्हारा जीवन मसीह में छिपा हुआ है, जो परमेश्वर से घिरा हुआ है, और तुम वहाँ छिपे हुए हो।

दोहरी सुरक्षा। आराम करें। आराम करें।

यह एक अवधारणा चित्रण है, और आप इसे किसी तरह के धार्मिक अर्थ में नहीं खींचना चाहते। मुख्य बात यह है कि स्वर्गीय मानसिकता विकसित करने से विश्वासी मसीह के साथ एक सुरक्षित स्थान पर पहुँच जाता है। उस नोट पर, विश्वासी तब इस मानसिकता को विकसित करना जारी रख सकता है, जो अंत में, एक महत्वपूर्ण तरीके से परमेश्वर को महिमा दिलाएगा।

डगलस मू, इस अवधारणा को सही ढंग से समझाने की कोशिश करते हुए, पॉल सुझाव देते हैं कि वर्तमान समय में, हमारी स्वर्गीय पहचान वास्तविक है लेकिन छिपी हुई है। हमें निश्चित रूप से शारीरिक रूप से स्वर्ग में नहीं ले जाया गया है। न ही हम जो स्वर्गीय क्षेत्र से संबंधित हैं, हमारे आस-पास के लोगों से अलग दिखते हैं जो अभी भी इस दुनिया से संबंधित हैं।

चौथी आयत इस बात की पुष्टि करती है कि एक दिन यह बदल जाएगा। इस बीच, और स्क्रीन पर मेरी वर्तनी के लिए खेद है, हमारी वास्तविक स्थिति छिपी हुई है। और यद्यपि हम अपने आस-पास के लोगों से अलग नहीं दिखते, इस संदर्भ में पॉल का कहना है कि हमें निश्चित रूप से अलग तरीके से व्यवहार करने की आवश्यकता है।

इसी बात पर वह पाँचवीं आयत से एक मजबूत बयान देगा। पाँचवीं आयत, यूनानी में, वास्तव में आज्ञा देती है, दूसरे शब्दों में, आदेश, मार डाला, जो कि एक भौतिक स्थिति में अभिव्यक्ति है, मार डाला। इसलिए, अब जब आप जानते हैं कि आप मसीह के साथ इस स्थान पर हैं और आप इस स्वर्गीय मानसिकता को विकसित कर रहे हैं, तो मार डाला जाए।

वैसे, यह आपकी शक्ति में है, ईश्वर की कृपा से। फिर से, पॉल ईश्वर की कृपा से नहीं कह रहा है, और मैं यहाँ इसे आपके लिए थोड़ा नरम बनाने की कोशिश कर रहा हूँ। मृत्यु को देना विश्वासी की शक्ति में है। इसलिए, आप में सांसारिक क्या है? वे सांसारिक चीजें कैसी दिखती हैं? वाह, वे कुछ इस तरह दिखती हैं।

यौन अनैतिकता, अशुद्धता, वासना, बुरी इच्छाएँ, लोभ, जो मूर्तिपूजा है। वाह। इसके कारण, परमेश्वर का क्रोध आ रहा है।

और जब तुम इन में जीवन बिताते थे, तो इन में चलते थे। परन्तु अब इन सब को अर्थात् क्रोध, रोष, बैरभाव, निन्दा, मुंह से गालियाँ बकना, इन सभी को छोड़ दो।

एक दूसरे से झूठ मत बोलो, क्योंकि तुमने पुराने मनुष्यत्व को उसकी आदतों समेत उतार दिया है और नए मनुष्यत्व को पहन लिया है, जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान में नया होता जाता है। यहाँ कोई यूनानी या यहूदी, खतना या खतनारहित, बर्बर, स्कूती, दास या स्वतंत्र नहीं है,

बल्कि मसीह सब कुछ है और सब में है। आइए हम यहाँ इस पर थोड़ा और बारीकी से नज़र डालें।

अपनी सांसारिक प्रकृति से संबंधित पापों को मार डालो। और आप देखेंगे कि सूची में ज़्यादातर यौन पाप हैं। हम इस पर विचार करेंगे।

अब, हानिकारक व्यवहार से छुटकारा पाएँ या उसे उतार फेंकें। सूची पर करीब से नज़र डालने पर पता चलेगा कि वे ज़्यादातर भाषण से संबंधित हैं, आप कैसे बोलते हैं। आप वहाँ एक और अनिवार्यता भी देखते हैं कि पुरानी आदतों को त्याग कर नई आदतें अपनाएँ।

और नए लोगों के लिए, नए स्व को दूसरे क्षेत्र में नवीनीकृत किया जा रहा है, ज्ञान, जिसके बारे में मैं इस व्याख्यान में अक्सर बात करता रहा हूँ। नया स्वभाव इतना नया है कि यह जातीय-नस्लीय विभाजन को पार कर जाता है जिसे वे मसीह के अनुयायी बनने से पहले जानते थे। नए समुदाय या नए स्व में धार्मिक और सामाजिक सीमाएँ टूट जाती हैं क्योंकि सभी अब मसीह के अधीन नए स्व में एक हैं।

तो, आइए इस सूची को एक-एक करके देखना शुरू करें। सबसे पहले, हमें सांसारिक प्रकृति पर विचार करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि किन चीज़ों को खत्म किया जाना चाहिए। ध्यान दें कि मैंने कहा कि वे ज़्यादातर यौन संबंधी हैं।

इसमें कहा गया है, सबसे पहले, सांसारिक प्रकृति, वे चीज़ें जिनसे शरीर जूझ रहा है, यौन अनैतिकता है। वास्तव में, यह शब्द एक व्यापक शब्द है जो यौन अनैतिकता के कई रूपों का अर्थ या व्याख्या कर सकता है। यूनानी शब्द का अनुवाद व्यभिचार या यौन अनैतिकता के रूप में किया जा सकता है।

इसका अनुवाद व्यभिचार के रूप में किया जा सकता है। इसमें सभी यौन चीज़ें शामिल हैं। और फिर, हम ऐसी भाषा देखना शुरू करते हैं जो यहूदी अर्थ में अधिक लगती है, जिसका उपयोग आम तौर पर यौन आचरण और अशुद्धता के लिए भी किया जाता है।

इस शब्द का अनुवाद अशुद्धता के रूप में किया जा सकता है। यौन अशुद्धता के अर्थ में अशुद्धता। मौत की सज़ा।

आप ऐसा कर सकते हैं। कुलुस्से में चर्च पर भी इस तरह के प्रभाव का खतरा मंडरा रहा है, अगर वे वास्तव में अपने बीच में ऐसी चीज़ें करते हैं। उन्हें सबसे आखिर में मौत की सज़ा दी जानी चाहिए।

अंतिम है शरीर में निहित यौन इच्छाएँ जो व्यक्ति को प्रेरित करती हैं। यह दिलचस्प है कि आप पा सकते हैं कि पॉल कभी-कभी अंतिम के बजाय लालच शब्द का उपयोग करके लालच को दर्शाता है जो किसी की पत्नी के पीछे जाने के लिए एक यौन जुनून को प्रेरित करता है। यहाँ, वह कहता है, अंतिम को मार डालो, बुरी इच्छाओं को मार डालो, और फिर वह अंत में अब यूनानी शब्द जोड़ देगा और कहेगा, लालच को मार डालो, जो मूर्तिपूजा है।



यह लालच कभी-कभी सिर्फ लालच की भावना को दर्शाता है जैसे कि पैसे का लालच, ज्यादा चीजों का लालच, लालची जैसा कि हम अंग्रेजी में लालची के रूप में जानते हैं। लेकिन अक्सर, जब इसका इस्तेमाल यौन दुर्गुणों की सूची में किया जाता है, तो यह किसी के जीवनसाथी के लिए लालच, किसी के यौन साथी के लिए लालच का भाव रखता है। पॉल कहते हैं कि चर्च के पास यह अधिकार है कि वह किसी को मौत के घाट उतार दे ताकि चर्च एक साथ काम कर सके।

मैंने आपको बताया कि क्या उतारना है, यह मूल रूप से क्रोध के विभिन्न रूपों की एक सूची है। हो सकता है कि आपने खुद को पहले भी इस तरह से व्यवहार करते हुए देखा हो। क्या आप विश्वासियों के एक ऐसे समुदाय की कल्पना कर सकते हैं जो मतभेदों को संबोधित करना नहीं जानते, उभरने वाले मुद्दों को कैसे संबोधित करें, और जो क्रोध को अपने अंदर भरने और उसे खत्म करने देते हैं? पॉल कहते हैं कि वे बाहरी रूप से जिस तरह से दिखते हैं, उसके संदर्भ में वह कभी-कभी मैं इसे एक स्थिर मॉडल कहता हूँ, जो आप पहन रहे हैं।

तो कल्पना कीजिए कि पॉल कह रहा है, जब मैं देखता हूँ कि तुमने मेरी तरह अपनी जैकेट के साथ क्या पहना हुआ है, वास्तव में मैं जो पहन रहा हूँ वह मुझे एक खास तरह से दिखा रहा है, ऐसा लग रहा है जैसे मैं गुस्से में हूँ, मैं गुस्से, क्रोध, द्वेष, निंदा से भरा हुआ हूँ, और जहाँ तक इस गंदी भाषा का सवाल है जो गुस्से के मामले में सभी प्रकार के शब्दों और क्रोध के साथ फूटती है जिसके बाद झूठ आता है, पॉल कहता है, तुम जानते हो क्या? इसे उतार दो। इसे उतार दो। ईश्वर की कृपा से इसे उतार देना तुम्हारी शक्ति में है ताकि तुम वह व्यक्ति बन सको जो ईश्वर चाहता है कि तुम बनो।

लेकिन आगे बढ़ने से पहले, मैं इस आयत पर थोड़ा सा प्रकाश डालना चाहता हूँ। यहाँ सूचीबद्ध क्रोध के रूपों को इफिसियों में फिर से लाया जाएगा। वहाँ, मैं उनमें से कुछ को एक-एक करके आपके सामने रखूँगा।

लेकिन आप जानना चाहते हैं कि यहाँ ग्रीक में इस्तेमाल की गई कुछ भाषाएँ क्रोध की भावना को व्यक्त करती हैं जो अंदर ही अंदर पनपती है। और कुछ क्रोध, यानी गुस्सा, हिंसक तरीके से व्यक्त किया जाता है। यहाँ कुछ शब्दों में क्रोध का भाव है जिसमें कुछ दुर्भावनापूर्ण इरादे हैं कि एक बार जब कोई क्रोधित हो जाता है, तो वह सभी तरह की ऐसी चीजें करने लगता है जो द्वेष से भरी होती हैं ताकि किसी को और अधिक चोट पहुंचे।

यहाँ, यह आश्चर्यजनक है कि पौलुस यह नहीं कह रहा है कि परमेश्वर आपके लिए ऐसा करने जा रहा है जैसा कि हम इफिसियों में देखेंगे, जहाँ हम जिसे ईश्वरीय निष्क्रिय कहते हैं, अपने आप को उस स्थान पर रखें जहाँ परमेश्वर आपसे इसे ले सकता है। कुलुस्सियों में, आपको इसे उतार देना चाहिए।

यह आपकी शक्ति के भीतर है। फिर वह श्लोक 11 में आगे बढ़ता है और वास्तव में इस बात पर प्रकाश डालता है कि नए स्व में क्या हो रहा है। इस नए समुदाय में, कुछ सीमाएँ टूट रही हैं, और ये सीमाएँ ध्यान देने योग्य हैं।

यहाँ, यह स्पष्ट है कि कोई यूनानी, गैर-यहूदी या यहूदी नहीं है। दूसरे शब्दों में, व्यापक संस्कृति के भीतर जो जातीय-नस्लीय विभाजन प्रबल हो सकता था, वह अब उन लोगों के लिए मौजूद नहीं होना चाहिए जो मसीह को जानते हैं। मैं आपको प्राचीन भूमध्यसागरीय दुनिया में संस्कृतियों और शहर की गतिशीलता के बारे में एक त्वरित पृष्ठभूमि देता हूँ।

कोलोसी से सबसे नजदीकी शहर 120 मील दूर है, जो प्राचीन दुनिया के आकार के हिसाब से बहुत बड़ा शहर है जिसे इफिसस कहा जाता है। कोलोसी, हिरापोलिस, लाओडिसिया और त्रि-शहर सभी प्रकार की बहुसांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक अच्छा केंद्र बनाते हैं। आप ध्यान दें कि यहूदियों को यूनानियों से बहुत ज़्यादा लगाव नहीं था।

संस्कृति के अनुसार, यहूदियों का खतना किया हुआ होना संभव है। अधिकांश गैर-यहूदी खतना रहित होंगे। वे खतना किए हुए लोगों का मज़ाक भी उड़ा सकते हैं।

हमारे पास इस बात के सबूत हैं कि ऐसी संस्कृति में जहाँ कभी-कभी सार्वजनिक स्नान की घटनाएँ होती हैं, जब पुरुष सार्वजनिक स्नान करने जाते हैं, और उन्हें पता चलता है कि कुछ पुरुषों का खतना किया गया है, तो वे वास्तव में उन्हें अपमानित करते हैं क्योंकि वे वास्तव में अल्पसंख्यक हैं। लेकिन यहूदी धार्मिक ढांचे के भीतर, वे गैर-यहूदी हैं। वे अशुद्ध हैं।

वे वाचा का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए, उनके शिविर में ये सभी विभाजन हैं। धार्मिक रूप से, यहूदी एक ईश्वर की पूजा करते हैं, जबकि अन्य कई देवताओं की पूजा कर सकते हैं और अपने जीवन के तरीके में जादू और सभी प्रकार की धार्मिक गतिविधियों को जोड़ सकते हैं।

यहूदी अन्यजातियों को पसंद नहीं करते थे क्योंकि वे अशुद्ध हैं। अन्यजातियों को गैर-यहूदियों के रूप में सोचें। लेकिन जब गैर-यहूदियों की बात आती है, तो यूनानियों के बारे में सोचें।

वे दुनिया पर कब्ज़ा करने वाले थे। उन्होंने रोमनों से पहले दुनिया का नेतृत्व किया। अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन के बीच प्रेम-घृणा के रिश्ते के बारे में सोचें, क्योंकि वे ऐसे व्यक्ति हैं जो ग्रेट ब्रिटेन की शिक्षा प्रणाली द्वारा जीते और दिमाग धोए गए हैं।

मैं आपको ब्रिटिश और अमेरिकियों के बीच प्रेम-घृणा संबंधों की मज़ेदार गतिशीलता बता सकता हूँ। बेशक, ब्रिटिश साम्राज्य अस्तित्वहीन है। अमेरिका एक विश्व महाशक्ति है।

और वहाँ छिपी हुई ईर्ष्या है। इसलिए, जब अमेरिकी आस-पास होते हैं, अमेरिकी, तो वे सबसे भयानक लोग होते हैं। उनमें शिष्टाचार नहीं है, ब्रिटिश लोग कहते हैं।

वे रेस्तराँ में ऊँची आवाज़ में बात करते हैं। जब अमेरिकी आस-पास नहीं होते तो उन्हें प्लीज़ और ये सब कहना नहीं आता। अमेरिकी, वे महान हैं।

वे बहुत ही जोशीले हैं। वे अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं। वे अद्भुत हैं।

और आप इस प्रेम-घृणा संबंध को देखना शुरू करते हैं। आप देखिए, रोमनों से पहले यूनानी दुनिया की महाशक्ति थे। जब रोमनों ने सत्ता संभाली तो उनका अभिमान चूर-चूर हो गया।

यूनानियों को रोमन इतना पसंद नहीं थे। रोमनों को यूनानी इतना पसंद नहीं थे। और इसलिए, एक ऐसे चर्च के बारे में सोचिए जिसमें यहूदी, यूनानी, रोमन और दुनिया के दूसरे हिस्सों से आए लोग हों।

पॉल कहते हैं, इन सभी मतभेदों के साथ जो आपने पृष्ठभूमि से चर्च में लाए हैं, चर्च में हम जैसे लोगों के लिए, अब ग्रीक और यहूदी के बीच ऐसा कोई अंतर नहीं है। अध्याय एक की शुरुआत में वापस जाते हुए, मैंने आपको याद दिलाया कि पॉल चर्च को भाइयों के रूप में संदर्भित करता है। और उसने उन्हें याद दिलाया कि, वास्तव में, उनका पिता ईश्वर है।

तो, अब वे एक नए परिवार के सदस्य हैं। और अब ऐसा कोई भेद नहीं है। पद 11 में, वह आगे बताता है कि खतना और खतना के बीच भी ऐसे भेद नहीं हैं।

इसलिए, यहूदियों को इसके परिणामस्वरूप बहुत ज़्यादा, बहुत ज़्यादा समस्याएँ नहीं खड़ी करनी चाहिए। विद्वानों का मानना है कि झूठे शिक्षक जो अंदर से ये सब हंगामा करने की कोशिश कर रहे हैं, वे यहूदी पृष्ठभूमि से आते हैं। उनमें सबसे बड़ी चीज़ होने की संभावना है जो उन्हें अन्यजातियों से अलग करती है।

हम खतना किए हुए हैं, और तुम नहीं हो। हम अब्राहम के वंशज हैं और तुम नहीं हो। हम पवित्र लोग हैं और तुम नहीं हो।

आप ज़्यादातर देवताओं की पूजा करते हैं और ऐसी ही दूसरी चीज़ें करते हैं। पॉल कहते हैं, मसीह में, खतना किए हुए और खतना न किए हुए लोगों के बीच कोई अंतर नहीं है। वह एक दिलचस्प अंतर बताते हैं जिस पर मुझे आपका ध्यान आकर्षित करना चाहिए।

इससे पहले कि मैं बर्बर और सीथियन या बर्बर या सीथियन के बीच के निर्णय पर जाऊँ, मैं आपको गुलाम और स्वतंत्र के मुद्दे के बारे में याद दिला दूँ। स्वतंत्र व्यक्ति वह है जो गुलाम नहीं है। गुलाम को खरीदा जा सकता था, लेकिन गुलाम उस कीमत का भुगतान करके अपना रास्ता निकाल सकता था जो उसे खरीदने के लिए इस्तेमाल की गई थी।

जैसा कि मैं आगे चलकर प्राचीन दुनिया में उजागर करूँगा, गुलामी नस्ल-आधारित नहीं थी। ज़्यादातर गुलाम अपने मालिकों की ही नस्ल के होते हैं। लेकिन गुलाम और आज़ाद के बीच एक तीखा सामाजिक अंतर होता है।

स्वतंत्र लोगों के पास सभी तरह के अधिकार और विशेषाधिकार थे जो दासों के पास नहीं थे। एक दास की सबसे बड़ी इच्छा स्वामी की इच्छा और इच्छाओं को पूरा करना है। पॉल कहते हैं कि दास और स्वतंत्र लोगों के बीच कोई अंतर नहीं है।

लेकिन इस विचार को थामे रखें क्योंकि जब हम अध्याय तीन के अंत में पहुँचेंगे, तो हम एक गतिशीलता देखेंगे जिसकी ओर मैं आपका ध्यान आकर्षित करूँगा। इसलिए, यह कहना कि ऐसा कोई भेद नहीं है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप गुलाम नहीं रह जाते, और आप स्वतंत्र नहीं रह जाते। वह यह कहने की कोशिश कर रहा है कि चर्च में यह विवाद का विषय नहीं होना चाहिए।

बर्बर लोगों को यह कहने का एक और तरीका है कि आप यूनानी नहीं हैं। और यह उन लोगों के लिए एक छोटा सा शब्द है जो गैर-यूनानी हैं और बर्बर हैं। तो, आप किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचते हैं जिसे कोई और अपमानित करने की कोशिश कर रहा है, और पॉल कहते हैं, आप जानते हैं कि चर्च में ऐसा कोई अपमानजनक खेल नहीं है।

वास्तव में, कोई बर्बर या सीथियन नहीं हैं। वास्तव में, आप राष्ट्रपति को सभी सीथियन के रूप में देखते हैं। सीथियन क्यों? यह एकमात्र जगह है जहाँ हमें यह अभिव्यक्ति मिलती है।

पॉल चर्च को भड़का रहा है। जब मैं घाना में होता हूँ, तो मुझे यह कहना अच्छा लगता है कि पॉल कह रहा है कि अकान और उत्तरी घाना में गोम्बा या नुम्बा भूमि के किसी व्यक्ति के बीच कोई अंतर नहीं है क्योंकि अकान गर्वित और अहंकारी हैं। और वास्तव में, वे उत्तर में रहने वालों को नीची नज़र से देखते हैं।

और उदाहरण के लिए, मैं एक अकान हूँ। और यह हमेशा मेरा सपना था कि मैं नोडना से शादी करूँ, जो कभी पूरा नहीं हुआ, बस अपने लोगों को यह संदेश देना था कि मसीह में चीजें अलग हैं। खैर, यह अलग तरह से निकला।

जब मैं रोमानिया में होता हूँ तो अहंकार की भावना, मैं अपने रोमानियाई मित्र का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि यह ऐसा है जैसे यह कहना कि रोमानियाई और जिप्सी लोग सोचते हैं कि वे बहुत सारी समस्याएँ पैदा करते हैं; उनके और जिप्सी लोगों के बीच ऐसा कोई अंतर नहीं है। सीथियन सबसे नीचे थे। और पॉल कहते हैं कि मसीह में भी, उन्हें अलग नहीं किया जाना चाहिए।

वे एक हैं। इसे समझाने के लिए, हम इस सीथियन की बारीकियों को समझाने की कोशिश करेंगे क्योंकि इसकी उत्पत्ति एक विशिष्ट स्थान से हुई है जहाँ के लोग, उनकी भौगोलिक स्थिति और उनकी जातीयता उन्हें धोखा देती है। और इसलिए वहाँ नीचे देखने का हर कारण है।

हम कहेंगे कि सीथियन शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो काला सागर के ठीक उत्तर में स्थित सीथिया क्षेत्र में रहता है। प्राचीन स्रोतों से हमें जो साक्ष्य मिले हैं, उनसे पता चलता है कि सीथियन को आम तौर पर अपरिष्कृत और बर्बरता का प्रतीक माना जाता था। दूसरे शब्दों में, वे असभ्य हैं, वे असभ्य हैं, वे दलित हैं, और हर किसी को उन्हें नीचे नज़र से देखना चाहिए।

पॉल कहते हैं कि जो लोग मसीह में हैं, उनके लिए ऐसा कोई अंतर नहीं है। डैन शायद यह भी जोड़ दें कि बात फिर से स्पष्ट है। मसीह में, लोगों और व्यक्तियों के बीच किसी भी तरह की नस्लीय, जातीय या सांस्कृतिक अवमानना के लिए कोई जगह नहीं है।

और यहां तक कि जंगली, घृणित सीथियन भी अदालतों से बाहर नहीं हैं। मसीह में, विश्वास के समुदाय को एक साथ रहना और काम करना चाहिए और उन लोगों के जीवन का उदाहरण देना चाहिए जिन्होंने मसीह को स्वीकार किया है और मसीह में जो उन्होंने विश्वास किया है उसके अनुसार काम कर रहे हैं। यह मुझे श्लोक 12 से 17 तक ले आता है।

तो फिर पहन लो। पहन लो। अब हमने उतार दिया है, हमने हत्या कर दी है, और अब हम पहन सकते हैं। मुझे यह पसंद है। शायद मुझे अपनी जैकेट पहन लेनी चाहिए।

तो अब मैंने पहन लिया है। परमेश्वर के चुने हुए लोगों की तरह पहन लिया है। इस बार, वह पुराना खुरदुरा कपड़ा नहीं, बल्कि परमेश्वर के चुने हुए लोगों की तरह, पवित्र और प्रिय, दयालु हृदय, दयालुता, नम्रता, विनम्रता और धैर्य, एक दूसरे के साथ सहनशीलता।

और यदि किसी को किसी पर कोई दोष हो, तो जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो। और इन सब से बढ़कर प्रेम को धारण करो। प्रेम जो सब को एकता में बांधता है और पूर्ण मेल-मिलाप उत्पन्न करता है।

पहन लो। देखिए, पॉल पहनने की ज़रूरत पर ज़ोर देगा। लेकिन वह उन्हें ऐसा करने के लिए कैसे कहेगा? यह इतना आसान नहीं होगा।

आप श्लोक 12 से देख सकते हैं कि वह सुनिश्चित करता है कि वह उनकी पहचान स्थापित करे। वह उन्हें याद दिलाता है कि वे कौन हैं, इससे पहले कि वह वास्तव में कहे कि उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में कैसे देखा जाना चाहिए। इस रूपक में, धारण करना, वस्तुतः एक चरित्र, एक व्यवहार, एक दृष्टिकोण, एक आचरण को धारण करना है जिसे जनता भी देखेगी।

पुराने रफ़-टफ़ को उतार फेंकना लोगों के नज़रिए से आपके परिधान को बदलना है। अब, नया पहनना आपकी सार्वजनिक छवि के साथ-साथ सार्वजनिक पक्ष को भी बदल रहा है। और इसका फ़ायदा यह है कि इससे आपको समाज में सम्मान भी मिलता है और जिस समुदाय से आप जुड़े हैं, उसे भी सम्मान मिलता है।

वह उन्हें चुनौती देगा और उनकी पहचान में इसे जड़ देगा। फिर वह आपसी जिम्मेदारी के लिए आह्वान करेगा ताकि चर्च में उनकी एकजुटता हो सके। फिर वह सिखाएगा।

वह एक दूसरे को सिखाने और चेतावनी देने, अगर आप चाहें तो आपसी सहयोग करने और ईमानदारी के लिए उन्हें चुनौती देने के लिए कहेंगे। आइए इन चार क्षेत्रों को जल्दी से समझें। एक चुनौती जो पहचान में निहित है।

वह कहते हैं कि यही उनकी पहचान है। उनकी पहचान वास्तव में ईश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में उनके स्थान पर आधारित है। वे पवित्र या अलग हैं, और वे प्रिय हैं।

कल्पना कीजिए कि आप संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में काम कर रहे हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अन्य लोगों से मिलने जा रहे हैं। क्या आप संयुक्त

राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में लोगों से मिलना चाहेंगे, जो आप सुबह जिम के लिए पहनते हैं? या आप उनसे अपनी जाँघिया पहनकर मिलना चाहेंगे, क्योंकि आपके पास नई जाँघिया है और आप उसे दिखाना चाहते हैं? क्या यह आपके व्यक्तित्व और आपके प्रतिनिधित्व के योग्य होगा? पॉल का कहना है कि आप साधारण नहीं हैं, और आपको उस तरह से नहीं दिखना चाहिए। आप वैसे नहीं हैं जैसे आप हुआ करते थे।

आपकी नई पहचान ईश्वर द्वारा चुने गए लोग हैं, जिन्हें अलग रखा गया है, और आप प्रिय हैं। मैंने अक्सर कहा है कि आप वह नहीं दे सकते जो आपके पास नहीं है। आप केवल उस चीज़ का एक हिस्सा दे सकते हैं जो आपके पास है, और जो आपके पास है उसका एक हिस्सा ही दूसरे लोगों के लिए आशीर्वाद होगा।

अगर आपको प्यार नहीं मिला है, तो आप प्यार नहीं दे सकते। अगर आपने प्यार भरे रिश्ते का अनुभव नहीं किया है, तो आप समुदाय और ठोस रिश्तों को बढ़ावा नहीं दे सकते। शायद आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन आप इसे अच्छी तरह से नहीं कर सकते।

पॉल का कहना है कि आप खास हैं और आपको वास्तव में प्यार किया गया है। आप प्रिय हैं, इसलिए आप वास्तव में समुदाय में इस प्रेमपूर्ण रिश्ते को बढ़ावा दे सकते हैं। इसी बात पर वह आपसी जिम्मेदारी का आह्वान करता है।

उन्होंने जो निर्देश और निर्देश दिए, उन्हें देखते हुए, ऐसा ही हो, मैं चाहता हूँ कि तुम करो, करुणा हो। इसमें क्या अंतर है? आपको क्रोध, द्वेष, क्रोध, निंदा को दूर करना याद है। यही होना चाहिए।

यह वही है जो नहीं होना चाहिए। करुणा, दयालुता, विनम्रता, नम्रता, धैर्य, सहनशीलता, क्षमा। वाह, इनमें से कुछ शब्द इतने समृद्ध हैं कि हम उन्हें समझने की कोशिश में पूरा दिन बिता सकते हैं।

धैर्य का मतलब सिर्फ अपनी बारी का इंतज़ार करना नहीं है। यहाँ धैर्य का मतलब है इंतज़ार करते समय शांत रहना और कभी-कभी यह किसी ऐसी चीज़ का इंतज़ार करते समय शांत रहना है जिसकी आप इच्छा रखते हैं या उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही पूरी हो जाएगी। वह व्यवहार जो गति में लाया जाता है, वह कहता है, मैं चिड़चिड़ा नहीं होऊंगा।

मैं वास्तव में अपनी निराशा को अन्य लोगों के सामने नहीं दिखाऊंगा, लेकिन मैं उस समय तक अपने भीतर की शांति बनाए रखूंगा, जब तक कि मैं ऐसा होने की उम्मीद नहीं कर रहा हूँ। सहनशीलता या धैर्य के लिए शब्द, जो ग्रीक में मेरे पसंदीदा शब्दों में से एक है, वह है जब ऐसा लगे कि सब कुछ खत्म हो गया है, तब वापस उछलने की क्षमता। मैंने अक्सर इसे फुटबॉल के संदर्भ में इस्तेमाल किया है, और क्षमा करें यदि आप बेसबॉल या अमेरिकी फुटबॉल के प्रशंसक हैं, तो मैं अभी भी खेल के नियमों को समझने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन मैं एक तरह से फुटबॉल का दीवाना हूँ।

मैं फुटबॉल खेलता था। यह मेरी टीम में खेलने जैसा था, और हम 3-0 से पीछे थे, और हमारे पास खेलने के लिए पाँच मिनट बचे थे। यह कहने की क्षमता कि हम 3-0 से पीछे हैं, और हम खेल को हार कर समाप्त नहीं कर रहे हैं।

आंतरिक शक्ति और दृढ़ता या धैर्य जो हमें यह कहने पर मजबूर करता है कि, आप जानते हैं, हम क्या जुटा सकते हैं, या हम कड़ी मेहनत करने और खेल को ड्रा करने या खेल जीतने के लिए अपनी क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। वापस उछलने, आगे बढ़ने और जीतने की वह क्षमता ग्रीक में हाइपोमोनी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। धीरज या सहनशीलता, ऐसा करने की क्षमता।

वह कहते हैं, आपके बीच ऐसी भावना होनी चाहिए। अगर आप बहुत जल्दी हार मान लें और हार मान लें, तो वह करुणा के बारे में बात करेंगे। अगर यह एक ऐसा शब्द है जिसे हम हल्के में लेते हैं, तो सुसमाचार के बारे में सोचें।

इस बारे में सोचें कि सुसमाचारों में कितनी बार यीशु किसी व्यक्ति या कुछ लोगों से मिलते हैं, और हमें बताया जाता है कि उन्हें उन पर दया आती है। इस सूची में एक और शब्द जिसके बारे में आप सोच रहे होंगे, वह यह है कि जब कोई व्यक्ति वास्तव में आपको यह दिखाता है तो यह अच्छा लगता है। हो सकता है कि आपको यह अच्छा न लगे जब आपको इस पर कार्य करना पड़े।

यह क्षमा है। मुझे इस शब्द को इस तरह की सूची में देखना अच्छा लगता है क्योंकि आप जानते हैं कि इसका क्या मतलब है। कुलुस्से के विश्वासियों के बीच भी, और इसलिए 21वीं सदी में भी विश्वासियों के बीच, लोग दूसरों को चोट पहुँचाते हैं, और लोग दूसरों को अपमानित करते हैं। लोग दूसरों को गुस्सा दिलाते हैं, और लोगों को माफ़ किया जाना चाहिए।

इसमें, पौलुस कहता है, क्षमा होनी चाहिए। और यह कोई साधारण क्षमा नहीं होनी चाहिए। यह उस तरह की क्षमा होनी चाहिए जैसी आपको मसीह में क्षमा की गई थी।

यही वह समय है जब आप अपने गलत कामों की सज़ा के हकदार हैं। जिस तरह की दया आप पर दिखाई गई, वैसी ही दया और क्षमा है जिसकी अपेक्षा विश्वास के समुदाय के सभी लोगों से की जाती है। पौलुस आगे कुछ और माँगेगा, जिसे ढूँढ़ना है।

तलाश करना, सुनिश्चित करना, कड़ी मेहनत करना, सब कुछ करना, सुनिश्चित करना कि चर्च में कोई मतभेद न हो, बल्कि सामंजस्य हो। लोग वास्तव में हर जगह लड़ाई-झगड़ा नहीं करते, जिससे सभी तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। क्या आपने वास्तव में चर्च में बहस का अनुभव किया है? क्या आपने बोर्ड मीटिंग में ईसाइयों को एक-दूसरे से असहमत होते देखा है? या शायद आपने ऐसा नहीं देखा हो।

क्या आपने वाकई कहीं पर बैठे हुए ईसाइयों के एक समूह को इतना परेशान देखा है? क्या इसे ही आप नया स्व कहेंगे? वास्तव में, अगर आप कुलुस्सियों को देख रहे हैं, तो क्या आप इसी को उन लोगों के रूप में पहचानते हैं जो अलग या पवित्र हैं? कौन प्रिय है? कौन परमेश्वर द्वारा चुना

गया है? इस बारे में सोचें। पॉल कहते हैं कि यह उनकी शक्ति के भीतर है। उन्हें इसका पीछा करना चाहिए।

उन्हें इसकी तलाश करनी चाहिए। और वह उन्हें प्रेम से सभी को एक साथ बांधने के लिए कहता है। और उन्हें मसीह की शांति को कहाँ शासन करने देना चाहिए? अपने दिलों में।

आप जानते हैं, कई साल पहले, ऐसा लगता है कि मैं 100 साल का हूँ, लेकिन कई साल पहले, मैंने भजन सीखा था, और मुझे नहीं लगता कि जब मुझे वह भजन सिखाया जा रहा था, तब मैं अंग्रेजी भी अच्छी तरह जानता था। और भजन का पहला छंद कुछ इस तरह था। शांति, पूर्ण शांति।

पाप की इस अंधेरी दुनिया में, यीशु का लहू शांति की फुसफुसाहट करता है। भीतर की शांति। पॉल का कहना है कि शांति यहीं है, शांति जो दिल से आनी चाहिए।

शांति के राजकुमार की शांति को अपने दिल में राज करने दो। और अगर ऐसा होता है, तो आभारी रहो। आभारी रहो।

कृतज्ञता का गुण स्पष्ट होने दें। और मसीह के वचन को अपने अंदर बसने दें। जैसा कि हम अब तक अध्याय तीन को देख रहे हैं, आप महसूस करना शुरू कर रहे हैं कि पॉल किस तरह से सीमित कर रहा है।

अब जबकि हम झूठी शिक्षा की प्रकृति को जानते हैं, और अब जब हम जानते हैं कि मसीह ही वह सब कुछ है जिसकी हमें आवश्यकता है और वह सब कुछ नहीं जो झूठे शिक्षक प्रदान करते हैं, तो हमारे पास यह जिम्मेदारी है। जातीय-नस्लीय सीमाओं को तोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। क्रोध और गुस्से को दूर भगाना, यौन अनैतिकता और उससे जुड़ी हर चीज को अपने बीच से दूर रखना हमारी आपसी जिम्मेदारी है।

हमें वास्तव में उन्हें मार डालना चाहिए। और हमें अपनी नई पहचान के रूप में उन अच्छे गुणों को धारण करना चाहिए जो परमेश्वर के बच्चों के योग्य हैं। इसका प्रमाण यह है कि हम आपसी जिम्मेदारी उठाते हैं जिसमें हम करुणा, दयालुता, नम्रता, नम्रता, धैर्य, सहनशीलता और क्षमा देखते हैं।

जहाँ हम एकता को जीतते हुए देखते हैं, न कि मतभेद को। जहाँ हम प्रेम को देखते हैं और जहाँ शांति का राजकुमार उन लोगों के दिलों में अपना स्थान लेता है जो मसीह यीशु में विश्वास करते हैं। और जहाँ कृतज्ञता और निश्चय, परमेश्वर के वचन में निहित और आधारित, हमारे बीच स्पष्ट है।

मुझे उम्मीद है कि आप कुलुस्सियों को लिखे पौलुस के पत्र पर इस चर्चा का आनंद ले रहे होंगे। मुझे उम्मीद है कि आपको एक मसीही के रूप में अपने जीवन के बारे में सोचने की चुनौती भी मिल रही होगी। मैंने इस सामग्री में से कुछ को अपने अंदर समाहित करना बंद नहीं किया है, क्योंकि मैं सोचता हूँ और उन्हें सिखाता हूँ।



मुझे एहसास हुआ है कि जितना ज़्यादा मैं ऐसा करता हूँ, उतना ही मैं एक बेहतर ईसाई बनता हूँ। मैं अभी तक उस मुकाम पर नहीं पहुँचा हूँ, लेकिन मैं बढ़ रहा हूँ। मुझे उम्मीद है कि जेल पत्रों पर इस बाइबिल अध्ययन व्याख्यान के दौरान, आप भी हमारे साथ-साथ बढ़ रहे होंगे।

इस कोर्स को फॉलो करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह डॉ. डैन डार्को और जेल की पत्रियों पर उनकी व्याख्यान श्रृंखला है। यह सत्र 5 है। स्टैंड लें, कुलुस्सियों 3।